जिद्दी लोगों का नेतृत्व: चर्च के नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक
संदेश

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

यह शिक्षण खासतौर पर मसीह की देह में नेताओं के लिए है — चाहे वे पादरी हों, बुजुर्ग हों या कोई भी जो किसी समूह का देखभाल करता हो, भले ही वह दो-तीन लोग ही क्यों न हों। यदि तुम्हारे पास कोई मंडली है, तो यह संदेश तुम्हारे लिए है।

भगवान की नजर में जिद्दी लोग

निर्गमन 32:9-10 (ERV):
“और यहोवा ने मूसा से कहा, ‘मैंने इस लोगों को देखा, और वे
बहुत जिद्दी लोग हैं। इसलिए मुझे अनुमति दे कि मेरा क्रोध
उनके ऊपर भड़क उठे, और मैं उन्हें नाश कर दूँ; परंतु तुझसे
मैं एक बड़ा राष्ट्र बनाऊँगा।'”

जब भगवान ने मूसा को इस्राएल के बच्चों को मिस्र से बाहर निकालने के लिए बुलाया, तब वह पहले से ही जानता था कि मूसा को किस तरह के लोगों का सामना करना पड़ेगा। शायद मूसा ने सोचा था कि वह एक कृतज्ञ और नम्र लोगों का नेतृत्व करेगा, परन्तु हकीकत कुछ और थी।

चमत्कारों के बावजूद जिद्दीपन

जिद्दी लोगों का नेतृत्व: चर्च के नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक
संदेश

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

लाल सागर का दो भाग होना, आकाश से मन्ना, चट्टान से पानी और रात के समय अग्नि का स्तंभ — इतने सारे चमत्कारों के बावजूद, इस्राएलियों ने अपना दिल कठोर कर लिया। उन्होंने सोने का बछड़ा बना लिया और कहा:

निर्गमन 32:4 (ERV):
“यह तुम्हारा परमेश्वर है, हे इस्राएल, जिसने तुम्हें मिस्र
की भूमि से बाहर निकाला।”

वे शिकायत करते थे, विद्रोह करते थे, और उस नेता के खिलाफ भी बगावत करते थे जिसे भगवान ने नियुक्त किया था।

हर सच्चा नेता इस परीक्षा से गुजरेगा

हर सच्चा ईश्वर का सेवक एक दिन मूसा की तरह ऐसी परिस्थिति से गुजरेगा जहाँ उसे अनादर करने वाले, जिद्दी और मुश्किल लोगों का नेतृत्व करना होगा।

कई बार नेताओं को ऐसा लगता है, “अगर सेवा में मुझे धोखा, गलत समझना और विद्रोह ही मिलेगा, तो मैं छोड़ भी सकता हूँ।” अगर तुमने ऐसा महसूस किया है, तो समझो तुम अकेले नहीं हो, परंतु यह

जिद्दी लोगों का नेतृत्व: चर्च के नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक
संदेश

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

हार मानने का कारण नहीं है।

भगवान जानते थे कि मूसा के सामने “जिद्दी लोग” होंगे। फिर भी उन्होंने उन्हें एक चरवाहा दिया। यहाँ तक कि यीशु भी जानते थे कि यहूदा उन्हें धोखा देगा, फिर भी उसे बारह में रखा।

जिद्दीपन का मतलब क्या है?

जिद्दीपन का मतलब है — हट्ठी, सुधार के लिए न मानना, और अधीन होने से इनकार करना। यह वैसा ही है जैसे बैल जो प्रभु के जुग को नहीं लेना चाहता। ऐसे लोग जो बड़ी बड़ी निशानियाँ और चमत्कारों के बावजूद घमंड, अवज्ञा, और विद्रोह में बने रहते हैं। और फिर भी, भगवान ऐसे लोगों को अपने चरवाहों के जिम्मे देते हैं।

मूसा को मूर्तिपूजकों, शिकायत करने वालों और उन लोगों का सामना करना पड़ा जो जल्दी से परमेश्वर की भलाई भूल जाते थे।

मूसा ने कैसे प्रतिक्रिया दी?

मूसा ने उन्हें छोड़ने के बजाय उनके लिए प्रार्थना की। जब भगवान पूरी तरह से इस लोगों को नष्ट करने और मूसा से नया आरंभ करने को तैयार थे, तब भी मूसा ने दया की याचना की।

जिद्दी लोगों का नेतृत्व: चर्च के नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक
संदेश

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

निर्गमन 32:32 (ERV):
“यदि तू उनकी पाप क्षमा करेगा, तो उन्हें क्षमा कर; यदि नहीं,
तो मुझे अपनी पुस्तक से मिटा दे जिसे तूने लिखा है।”

यही सच्चा नेतृत्व है। एक भयभीत नेता अपनी मंडली को असफलता पर नहीं छोड़ता, बल्कि भगवान के पास जाकर दया और पुनर्स्थापन के लिए प्रार्थना करता है।

एक सच्चा चरवाहा अपने झुंड के लिए अपने प्राण देने को भी तैयार रहता है, जैसे कि यीशु, जो अच्छा चरवाहा है, ने अपनी भेड़ों के लिए अपना जीवन दिया (यूहन्ना 10:11)।

आध्यात्मिक नेतृत्व का मतलब दया और सच्चाई है

सच्चा नेतृत्व परिपूर्ण लोगों का नेतृत्व करना नहीं, बल्कि अपूर्ण लोगों को परिपूर्ण परमेश्वर की ओर ले जाना है। एक वफादार नेता दया और सत्य का संतुलन बनाता है (यूहन्ना 1:14)।

हाँ, मूसा अपने लोगों के लिए प्रार्थना करता था, पर हमेशा नहीं। कभी-कभी वह भगवान के न्याय को भी स्वीकार करता था। जब सोने का

जिद्दी लोगों का नेतृत्व: चर्च के नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक
संदेश

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

बछड़ा बना, मूसा ने उन लोगों को जो प्रभु के पक्ष में थे, अलग करने को कहा, और जो विद्रोह कर रहे थे उन्हें दंडित किया गया (निर्गमन 32:25-28)।

यह हमें सिखाता है कि परमेश्वर के घर में पाप सहन नहीं किया जा सकता। कभी-कभी सुधार और अलगाव जरूरी होता है ताकि मंडली की भलाई हो। पौलुस कहते हैं:

1 कुरिन्थियों 5:13 (ERV):
“परंतु जो लोगों के बीच पापी है, उसे सजा दो।”

फिर भी, एक सच्चा नेता प्रार्थना करता, धैर्यवान और साहसी रहता है — प्यार से सुधार करता और न्याय के लिए खड़ा होता है।

मेहनत का फल मीठा होता है

सेवा में चुनौतियाँ, अस्वीकृति और पीड़ा आती है, पर फल महान होता है। परमेश्वर के लोगों का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान है और परमेश्वर के प्रति प्रेम की सर्वोच्च अभिव्यक्ति है।

जिद्दी लोगों का नेतृत्व: चर्च के नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक
संदेश

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

नीतिवचन 14:4 (ERV):
“जहाँ बैल नहीं होते, वहाँ अस्तबल साफ़ रहता है; परन्तु
बैलों की शक्ति से बहुत लाभ होता है।”

हाँ, बैलों के साथ अस्तबल कुछ गंदा होता है, पर वे वृद्धि भी लाते हैं। उसी तरह चरवाहे का पद अक्सर व्यस्त और चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन यह शाश्वत फल देता है।

सभी पादरियों, नेताओं और अधीक्षकों के लिए: हार मत मानो!

दयालु बनो, मूसा की तरह हस्तक्षेप करो, जरूरत पड़े तो सुधार करो, और अपनी मंडली से प्रेम करो — चाहे वे जिद्दी क्यों न हों।

यही वफादार चरवाहा नेतृत्व है।

1 पतरस 5:2-4 (ERV):
“परमेश्वर की मंडली की देखभाल करो जो तुम्हारे हाथ में है, ज़बरदस्ती नहीं, परन्तु परमेश्वर की इच्छा से, न तो लाभ के
लिए, परन्तु पूरी दिल से; न तो प्रभु की तरह मंडली पर शासन करो, परन्तु उदाहरण के रूप में। और जब प्रधान चरवाहा प्रकट होगा, तब तुम महिमा का अनमिट मुकुट पाओगे।”

जिद्दी लोगों का नेतृत्व: चर्च के नेतृत्वकर्ताओं के लिए एक संदेश

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

प्रभु तुम्हें शक्ति दे कि तुम उसकी मंडली को वफादारी से संभालो।

परमेश्वर तुम्हें आशीर्वाद दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp